



# सच्ची स्वतंत्रता : आत्मसम्मान का उत्सव

**स्व**तंत्रता दिवस हमारे लिए केवल राष्ट्रीय उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी दिन है। यह हमें याद दिलाता है कि जिस प्रकार राष्ट्र ने बाहरी बंधनों से मुक्ति प्राप्त की, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को भी अपने भीतर के बंधनों से स्वतंत्र होने की आवश्यकता है। क्रोध, भय, तनाव,

आध्यात्मिक दृष्टिकोण हमें सिखाता है कि सच्ची स्वतंत्रता केवल अधिकारों में नहीं, बल्कि अहं-जागरूकता, मर्यादित जीवन, श्रेष्ठ संस्कार और मानवता के सम्मान में निहित है। जब व्यक्ति स्वयं पर शासन करना सीख लेता है, तब वह केवल सफल नागरिक नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा बन जाता है।

इस स्वतंत्रता दिवस पर आइए, हम केवल ध्वज को नमन न करें, बल्कि अपने भीतर भी शांति, पवित्रता और आत्मिक स्वतंत्रता का दीप जलाएं - क्योंकि सच्चा स्वराज पहले स्वयं पर शासन से प्रारंभ होता है।

**स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ**  
सामान्य रूप से स्वतंत्रता का अर्थ अपनी

है, तब उसके विचारों में स्थिरता, व्यवहार में मधुरता और निर्णयों में स्पष्टता आती है।

## व्यक्ति और स्वतंत्रता का संबंध

आज के समय में कई बार स्वतंत्रता को मनमानी समझ लिया जाता है। लेकिन वास्तविक स्वतंत्रता कभी भी मर्यादाओं के विरुद्ध नहीं होती। जहाँ मर्यादा होती है, वहाँ सम्मान होता है; जहाँ सम्मान होता है, वहाँ संबंध मजबूत होते हैं; और जहाँ संबंध श्रेष्ठ होते हैं वहाँ समाज सुखी बनता है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण कहता है कि स्वतंत्रता का अर्थ है - ऐसा जीवन जीना जिसमें स्वयं का भी कल्याण हो और दूसरों का भी। हमारे विचार, शब्द और कर्म किसी को दुःख न दें, बल्कि प्रेरणा बनें।

## आध्यात्मिक स्वतंत्रता - स्वयं पर शासन

यदि किसी राष्ट्र की शक्ति उसका संविधान है, तो व्यक्ति की शक्ति उसके संस्कार और उसका आत्म-अनुशासन है। जो व्यक्ति अपने क्रोध पर विजय पा ले, जो परिस्थितियों से ऊपर उठकर शांत रह सके, जो दूसरों की अच्छाई देखने का अभ्यास कर ले - वही वास्तविक अर्थ में स्वतंत्र कहलाता है।

आध्यात्मिक जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा स्वराज पहले स्वयं पर शासन से शुरू होता है। जब मन शांत होता है, बुद्धि स्वच्छ होती है और संकल्प सकारात्मक होते हैं, तब जीवन में स्वतंत्रता का अनुभव होता है।

## स्वतंत्रता के स्वरूप की आंतरात्म्य

आज मानवता को केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति की भी आवश्यकता है। बाहरी विकास तभी सार्थक होगा जब मनुष्य के भीतर करुणा, संयम, सहनशीलता और पवित्रता का विकास हो।

स्वतंत्रता दिवस हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल शासन नहीं करता, बल्कि नागरिकों का चरित्र करता है। इसलिए हमें ऐसे नागरिक बनना है जो स्वयं भी श्रेष्ठ जीवन लिए और समाज के लिए भी प्रेरणा बनें।

इस स्वतंत्रता दिवस पर हम केवल राष्ट्रीय ध्वज को नमन न करें, बल्कि अपने भीतर भी एक संकल्प जगाएँ - मैं अपने विचारों को श्रेष्ठ बनाऊँगा, अपने जीवन को मर्यादित बनाऊँगा और आत्मिक चेतना के साथ जीवन समाज के कल्याण में योगदान दूँगा।



इच्छा।

से जीवन जीना सम्पन्न जाता है, लेकिन आध्यात्मिकता हमें बताती है कि सच्ची स्वतंत्रता वह है जिसमें व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों का स्वामी बन जाए। यदि परिस्थितियाँ हमारे मन को नियंत्रित करती हैं यदि दूसरों का व्यवहार हमारे सुख-दुःख का कारण बन जाता है, तो बाहरी स्वतंत्रता होने के बाद भी हम भीतर से स्वतंत्र नहीं हैं।

आध्यात्मिक जीवन हमें यह सिखाता है कि स्वतंत्रता का आधार आत्मजागृति है। जब मनुष्य स्वयं को केवल शरीर नहीं बल्कि चेतन आत्मा समझकर जीवन जीना प्रारंभ करता

नकारात्मकता और अहंकार - ये वे अदृश्य बंधन हैं जो व्यक्ति की वास्तविक स्वतंत्रता को सीमित कर देते हैं।



**अयोध्या-उ.प्र.**। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सहकारिता राज्य मंत्री जेपीएस रातौड़ से स्नेह मुलाकात कर ईश्वरीय सीगात भेंट करते हुए ब.कु. सुधा तथा अन्य ब्रह्मकुमारी बहनें।



**फतेहपुर-उ.प्र.**। इंटरनेशनल योगा डे के अवसर पर राज्यमंत्री कृष्णा पासवान सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों को राज्ययोग के वास्तविक महत्व को समझाते हुए ब.कु. नीरू।



**पटवर्धन-उ.प्र.**। "सर्वोत्तम जीवन के लिए स्वच्छता द्वारा आत्म उपकार" कार्यक्रम के दौरान कुशीनगर के कलेक्टर महेंद्र सिंह तारा को ईश्वरीय सीगात भेंट करते हुए सहजीवन सेक्टर के सचिव ब.कु. मेधा एवं ज्योतिर्लाल चौधरी के सम्बन्धक राजेश्वरी ब.कु. गंगाधर, पंडित (ब.कु.) सत्य है उनके व्यवहार में तब केवल दीप नगरम अलखन एवं ब्रह्मकुमारी बहनें।



**शाहजहाँपुर-उ.प्र.**। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तिनहर सेक्टर के विचार गोष्ठी के परचात समूह चित्र में भाजक जिला महामंत्री श्रीमती चंद्रकांता त्रिवेदी, नगर अध्यक्ष श्रीमती रायचो श्रीवार्ता, ब.कु.विनीता, ब.कु. रानी तथा अन्य।



**हाथरस-आवास विकास कॉलोनी(उ.प्र.)**। 90वीं विभूति शिव जयंती के सुअवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी। साथ ही पूर्व संसद रावेल दिवाकर, ब.कु. भावना, ब.कु. सीता तथा अन्य अतिथिगण।



**राजगौर-बिहार**। "राजयोग मेंटेशन पर रेटल केनेस" कार्यक्रम के परचात समूह चित्र में सैआरफेरस केड्रीप दिवस बर, सैआरफेरस रिट्टुट प्रीतिग केंद्र आइटीसी के जलमान प्रमुख प्रिंसिपल, उपमहानिरीक्षक निरंजित रातोषी, कर्मचारी अर्पिता जी, भावती राज बहन, ब.कु. स्नेहा, ब.कु. ज्योति तथा अन्य।



**आगरा-आई मैलरी म्यूजियम(उ.प्र.)**। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कलेक्टर सभागार में आयोजित जिला स्तरीय समन्वय बैठक में योग दिवस कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श के दौरान मौजूद रहे कलेक्टर अधिकारीगण एवं ब.कु. संगीता।



**पुरी-पंजाब**। राज्य मुख्यालय भगवत सिंह मान के ओ.एस.सी. मुख्यालय स्थित सुखी को सभाकेंद्र आगमन पर ईश्वरीय सीगात भेंट करते हुए ब.कु. मुर्ति व ब.कु. सुनीता। साथ ही अग्रवाल सभा प्रधान मदन लाल बंसल, समाज सेवक सदीप सोनी तथा अन्य।



**गया-बिहार**। सतत विश्वीय दुपदा ज्योतिर्लाल मेला एवं आध्यात्मिक प्रदर्शन का योग प्रजनन कर शुभारंभ करते हुए पद्मावती एवं विख्यात भागल कल्याणक श्री नंदगोपालगार जी महाराज, यज्ञ के मुख्य श्रोत श्री पद्म कुमार, यज्ञ के प्रमुख संचालक सुनील कुमार, सम्मानित अग्रजश्री भुवनेश्वर, स्थानीय सेक्टर के संचालिका राजयोगिनी ब.कु. सीता देवी तथा अन्य।



**भादरा-राज.**। ब्रह्मकुमारीन सेक्टर के शिक्षक स्नेह मिलन परचात समूह चित्र में राजयोगिनी ब.कु. चंद्रकांता दीदी, लॉर्ड कृष्ण स्कूल प्रिंसिपल सुनीता चौधरी, टीचर मधु मारू, राजबाला, रेणु गर्ग, ओमप्रकाश, ब.कु. भगवती तथा अन्य।